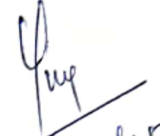




तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तालीम में जारी हुए
----------------	---------------------------------------	--

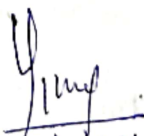
09/12/25	<p>पुनः 21/25</p> <p>पत्रावली पेश हुई। वकील अभ्यपन उपर वहस प्राप्पत्र सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश प्राप्पत्र दि: 06/01/26 को पेश हो</p> <p style="text-align: right;">  09/12/25 </p>	पुनः 21/25
06/01/26	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील अभ्यपन उपस्थित। वहस प्राप्पत्र के परिपेक्ष्य में पत्रावली का प्रवर्तन किया। आभिभाषक प्राचीगण/प्रतिवादीगण को वहस के दौरान कथन किया कि प्राचीगण (प्रतिवादीगण) को प्रकरण की जानकारी दिनांक 01/04/2025 को हुई थी। जैसे ही प्रकरण की जानकारी हुई, प्राचीगण ने आदेश की सत्यप्रति हैदू न्यायलय में आवेदन किया और दिनांक 23/04/2025 को प्रमाणित प्रतियाँ प्राप्त हुई और अगले दिन 25/04/2025 को प्राप्पत्र द्वारा 5 Linings Act with 09R7813 CPC पेश कर दिया अतः दिनांक 01/4/2025 से 24/4/2025 के मध्य नियमित आदेशिका की प्रतिलिपियाँ प्राप्त करने में हुई ताजिव देरी को न्याय दित में माफ किया जावे।</p> <p>२. आभिभाषक प्राचीगण (वादीगण) ने उक्त वहस का पुरजोर विरोध करते हुए कथन किया कि प्राचीगण को तारीख कुलडा द्वारा दिनांक 21/03/2024 को सम्मान की proper service कराई थी। प्राचीगण का यह कथन पूर्वतः गलत है कि प्राची 1 प्रकाशचन्द्र के सम्मान पर हस्ताक्षर (signature) नहीं है। प्राची नं 3 प्रहलदर</p>	 

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहय हुकम में:
	<p>काम सैमल (सुनल) में ही e-mails को हुकम जमाना है जिसे सही सजाव कार्रवाई एवं सामग्री पहचानती है। अतः यह कथन गलत है कि प्रार्थी प्रकाशचंद्र की ओर बिना अन्य व्यक्ति ने signature करके सम्मान होकर प्रार्थी को सूचना नहीं दी हो। आगे यह किया कि प्रकरण में दिनांक 11/02/2025 को ex-parte judgement and decree जारी हुई थी और प्रार्थी ने करीब 76 days के बाद यह प्रारूप OR7313CP with प्रारूप 5 limitation act पेश किया है जो करीब 116 days की देरी देरी के बाद पेश किया है। प्रार्थी ने देरी का कोई भी बख्तर कारण भी नहीं बताया है। प्रार्थी (वादी) का पेशाना करने के लिये यह प्रारूप पेश किया है। प्रार्थी को अपील कोर्ट में अपील करनी चाहिए। अतः देरी माफ की जायेगी नहीं होने प्रारूप द्वारा 5 limitation Act स्थापित किया जाकर प्रारूप OR7313CP भी खारिज किया जावे।</p> <p>5. वही प्रारूप द्वारा 5 limitation Act के परिपेक्ष्य में पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रकरण No 29/2024 गौतम v/s प्रकाशचंद्र को 0 में इस न्यायालय द्वारा दिनांक 11/02/2025 को निर्णय व डिप्री जारी की गई थी। Ex-parte decree को set-aside करने के लिये पेश प्रारूप की limitation तय करने के लिये पहले यह देखना होगा कि प्रार्थी को मूलतः में summons की service proper रूप से हुई थी या नहीं? पेश सामग्री (तर्ज) के अवलोकन से स्पष्ट है कि तारीख मुंबई द्वारा तीन प्रार्थी के सम्मान प्रार्थी 1 प्रकाशचंद्र को दिये गये थे।</p>	



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही या मय इनिशियलस जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
	<p>दोनों प्राथिगों, प्रकाशचंद्र के पुत्र हैं और दोनों के मां वी काहर जाने से family के major member यानी प्रकाशचंद्र की दिने गये।</p> <p>समन दिनांक 21/3/2024 की तालीम किने से और एक्स्पर्टीय करीब 05 माह बाद दिनांक 22/3/24 को की गई। निर्णय व डिक्री करीब 11 माह बाद दिनांक 11/2/25 को जारी की गई थी। इतने समय तक प्राथिग कमी भी court में present नहीं हुए।</p> <p>अहाँ तक प्राथि 1 प्रकाशचंद्र के समन पर हस्ताक्षरों का प्रश्न है - यह तो handwriting expert or forensic document examiner द्वारा ही स्पष्ट जांच किया जा सकता है। लेकिन prima facie हस्ताक्षर प्राथि प्रकाशचंद्र के ही प्रतीत होते हैं। धरम या धारणा होने की सम्भाना कम प्रतीत होती है। प्राथि प्रह्लादसिंह e-mitra का संचालक होने से गांव में known व्यक्ति है और शिक्षित भी हैं (this fact is undisputed) अतः समन की तालीम proper रूप से होता जाहिर होता है और इसलिये ex-parte decree dated 11/02/2025 को set-aside कराने का प्रारंभ पेश करने की limitation, भारतीय - 123 The limitation Act के अनुसार डिक्री की दिनांक से 30 days हैं। प्राथिग द्वारा करीब 76 days बाद यानी करीब 46 days की delay से प्रारंभ 09R13CPC पेश किया है। प्राथि द्वारा दिनांक 01/4/2024 को निर्णय व डिक्री की जानकारी लेना और दिनांक 29/4/2024 को मकल (certified copies) मिलना बताया है जहाँ प्राथिग द्वारा पेश प्रकरण No 29/2024 की तालीम के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्राथिग द्वारा दिनांक</p>	



तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही या मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहक हुक्म में:
	<p>28/3/2025 को नकल के लिए कोर्ट में आवेदन किया था जिसका रफ्त क्रमांक 934 है। प्रकरण के नकल का सत्यप्रतियां दिनांक 01/4/2024 को कोर्ट द्वारा जारी कर दी गई थी। शत्रु: स्पष्ट है कि प्राचीण ने झूठा कथन किया है। नकल मिलने के बाद दिनांक 25/4/2025 को यानी करीब 24 दिनों बाद यह फाउण्ड 09R7813 CPC पेश किया है। शत्रु: प्राचीण द्वारा 46 days की delay से फाउण्ड पेश करना साबित है।</p> <p>प्राचीण द्वारा इस 46 days की delay का कोई भी कारण या good cause अंकित नहीं किया है। दिनांक 01/4/2025 को नकल के लिए आवेदन करना और कोर्ट द्वारा 22 दिनों बाद दिनांक 23/4/2025 को नकल जारी करने का कारण (reason) पूर्णतः झूठा साबित है।</p> <p>4. उपरोक्त विवेचन के आधार पर तथा मुलवाड द्वारा - 188 RT Act का होने के आधार पर प्राचीण का फाउण्ड 5 limitation Act खारिज किया जाता है और देरी माफ नहीं किये जाने के परिणामस्वरूप फाउण्ड 09R7813 CPC भी खारिज किया जाता है। प्राचीण डिफ्री की अपील हेतु स्वतंत्र है। प्रकरण फैसल मुआर होकर नम्बर से कम होकर मुलवाड के साथ सलामत हो।</p>	
	<p style="text-align: center;">  06/01/2026 उपजज अधिकारी पिहावा, जिला कल्याण (राज.) </p>	

